

प्रेषक,

एल०फनई,
अपर सचिव,
उत्तरांचल शासन।

सेवा में,

निदेशक,
अर्थ एवं संख्या निदेशालय,
उत्तरांचल, देहरादून।

नियोजन अनुभाग।

देहरादून दिनांक 24 दिसम्बर, 2004

विषय:- अनुदान संख्या-07 के लेखाशीर्षक संख्या- 3454-के अन्तर्गत बीस सूत्री कार्यक्रम को टेलीफोन मद में वित्तीय वर्ष 2004-05 के लिए अतिरिक्त धनराशि की स्वीकृति।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक संयुक्त निदेशक, बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन उत्तरांचल के पत्रांक- 45/3-ले०(पुन०वि०)/2004-05 दिनांक 2 नवम्बर, 2004 तथा शासनादेश संख्या-466/-03-XXVI (बीस सूत्री)/2004 दिनांक 08 सितम्बर, 2004 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि वित्तीय वर्ष 2004-05 में 13-टेलीफोन पर व्यय मद में संलग्न बी०एम०-15 के अनुसार दरगतों से व्यावर्तित करते हुए बालू वित्तीय वर्ष 2004-05 में रुपये 50000.00 (रु० पचास हजार मात्र) की धनराशि श्री राज्यपाल आपके निर्वहन पर रखते हुए व्यय करने की सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं:-

- 1- उक्त धनराशि केवल उन्हीं मदों पर व्यय की जायेगी जिनके लिए यह स्वीकृति की जा रही है। बालू योजना पर ही व्यय किया जाय और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नई मदों के क्रियान्वयन के लिए नहीं किया जायेगा।
- 2- स्वीकृत कार्यों पर व्यय करते समय वित्तीय हस्तपुस्तिका, बजट मैनुअल, स्टोर पर्येज रूल्स एवं मितव्ययता के संबंध शासन द्वारा समय-समय पर जारी निर्देशों का पालन कड़ाई से किया जायेगा। टेलीफोन मद मितव्ययता की मद है। अतः इसमें विशेष ध्यान दिये जाने की आवश्यकता है।
- 3- यह सुनिश्चित किया जाय कि स्वीकृति धनराशि किसी ऐसी मद पर व्यय नहीं किया जाय जिसके लिए वित्तीय हस्तपुस्तिका तथा बजट मैनुअल के नियमों के अन्तर्गत सक्षम अधिकारी की पूर्व स्वीकृति की आवश्यकता हो। उस प्रकरण में व्यय के पूर्व यह प्राप्त कर ली जाय।
- 4- स्वीकृत की जा रही धनराशि का एकमुस्त आहरण न करके यथा आवश्यकता अनुसार ही व्यय किया जायेगा तथा व्यय का विवरण यथासमय प्रत्येक माह बी०एम०-13 पर शासन को उपलब्ध कराया जाय।
- 5- यह सुनिश्चित किया जाय कि शासन द्वारा उपरोक्त निर्देशों के अतिरिक्त इस संबंध में अब तक जारी शासनादेशों का अनुपालन अधीनस्थ तक भी सुनिश्चित करने का कष्ट करें।
- 6- उक्त मद मितव्ययता की मद है इसमें व्यय सीमित रखते हुए कटौती किये जाने का प्रयास किया जाय।

7- इस संबंध में होने वाला व्यय चासू वित्तीय वर्ष 2004-05 के आय-व्यय की अनुदान संख्या-07 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3454-जनगणना, सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनेत्तर-001-निर्देशन तथा प्रशासन-04-बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन अधिष्ठान संलग्नक के कालम-5 में उल्लिखित सुसंगत प्रथमिक इकाईयों के नामों डाला जायेगा।

8- यह स्वीकृति वित्त विभाग के अशासकीय संख्या-1967/वि0अनु3-3/2004 दिनांक 14 दिसम्बर, 2004 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोक्त।

भवदीय,

(एल0 फैनई)

अपर सचिव।

संख्या-592(1)/03-XXVI-20.P.P/2004 तददिनांक।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

- 1- महालेखाकार, उत्तरांचल, ओबराय बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, देहरादून।
- 2- वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- वित्त अनुभाग-3, उत्तरांचल शासन।
- 4- संयुक्त निदेशक, बीस सूत्री कार्यक्रम क्रियान्वयन, उत्तरांचल, देहरादून।
- 5- समन्वयक, राष्ट्रीय सूचना विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
- 6- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,



(टीकम सिंह पंवार)

संयुक्त सचिव।

कजट प्राधिकार तथा लेखाशोधक का विवरण	मन्त्रक मन्त्रालय अन्तर्गत अन्य	वित्तीय वर्ष के अनुमानित व्यय	अवधारित व्यय (सरकारी)	तत्कालीन विवरण के अनुसार व्यय है	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -5 की कुल घनराशि	पुनर्वित्तियोग के बाद स्तम्भ -01 में अवधारित घनराशि	टिप्पणी
1	2	3	4	5	6	7	8
अनुदान संख्या-07 3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी -02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनसार -001-निर्देशन तथा प्रशासन-04-बीस सूत्री कार्यक्रम विकास एवं अभियान 17-विभागा उपसुचक एवं कर संशोधन -175	68	—	175	अनुदान संख्या-07 3454-जनगणना सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी 02-सर्वेक्षण तथा सांख्यिकी-आयोजनसार 001-निर्देशन तथा प्रशासन 04-बीस सूत्री कार्यक्रम विकास एवं अभियान 17-लेखाशोधक प्रपत्र-50	50	125	टेलीफोन भार में आवंटित कजट समायोजन होने अतिरिक्त आवश्यकता होने के कारण मांग की गई है।
योग-	68	—	175	50	150	125	

प्रमाणित किया जाता है कि पुनर्वित्तियोग के कजट अनुदान के बारे में- 150, 151, 155, 158 में उल्लिखित प्रक्रियाओं एवं सीमाओं का उल्लंघन नहीं होता है।

(एलए फॉर्म)
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन

वित्त अनुभाग-3

संख्या- 1887 (1)/विजयपुर-03/2004

देहरादून दिनांक 14 दिसम्बर 2004

पुनर्वित्तियोग संकेत

80/-

(फंडींग मिश्र)

अपर सचिव

सेवा में

बडीलाबाजार, उत्तराखण्ड

अवकाश मंत्रालय, दिल्ली

सहारनपुर रोड, देहरादून

संख्या- 897-XXVI/2004-05, तदनुसार

प्रतिनिधि निम्नलिखित को सूचना एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित-

1- वरिष्ठ कौशलिकारी, देहरादून

2- वित्त अनुभाग-03, उत्तराखण्ड शासन

आज्ञा से

(एलए फॉर्म)

अपर सचिव